CREDIT ALLOCATION AND MARKS DISTRIBUTION FOR THE FYUGP IN HINDI (SEM III & IV)

Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	Total Marks
III	MAJ(TH)	HINDMAJ305	आधुनिक हिन्दी काव्य-2 AADHUNIK HINDI KAVYA-2	4	80
	MAJ(TH)	HINDMAJ306	हिन्दी कहानी	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN303	कथेतर साहित्य KATHETAR SAHITYA	4	80
	AEC(TH)	HINDAEC001	हिन्दी : सृजन एवं संप्रेषण HINDI: SRIJAN EWAM SAMPRESHAN	4	80
	SEC(TH)	POOCSEC330	शैक्षिक तकनीकी Saikshik Takniki	3	60
IV	MAJ(TH)	HINDMAJ407	हिन्दी उपन्यास HINDI UPANYAS	4	80
	MAJ(TH)	HINDMAJ408	प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद PRAYOJANMOOLAK HINDI AUR ANUVAAD	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN304	हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण) HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)	4	80

CREDIT ALLOCATION AND MARKS DISTRIBUTION FOR THE FYUGP IN HINDI (SEM III & IV) MDC

Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	Total Marks
III (MDC)	DSC(TH)	HINDDSC303	कथेतर साहित्य KATHETAR SAHITYA	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN303	कथेतर साहित्य KATHETAR SAHITYA	4	80
	SEC(TH)	POOCSEC330	शैक्षिक तकनीकी Saikshik Takniki	3	60
IV (MDC)	DSC(TH)	HINDDSC404	हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण) HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)	4	80
	MIN(TH)	HINDMIN304	हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण) HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)	4	80

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

तृतीय सत्र
SEMESTER-III
MAJOR-5

आधुनिक हिन्दी काव्य-2
AADHUNIK HINDI KAVYA-2

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ305	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives) :

- छायावादोत्तर युग की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक परिस्थितियों एवं विसंगतियों से उपजे काव्य और काव्यान्दोलनों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- प्रगतिशील चेतना के वैचारिक आधार और अभिप्राय को समझाना।
- प्रयोगवादी काव्य की रचनात्मक प्राथमिकताओं जैसे आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, अस्तित्ववाद, लघु-मानव, स्वातंत्र्योत्तर राजनीति से उपजे मोहभंग इत्यादि को समझाना।
- समकालीनता और आधुनिकता के अंतर्संबंध की समझ विकसित करते हुए कविता के युगबोध को वस्तुगत सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझाना ।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• छायावादोत्तर काव्य के बहुआयामी संदर्भों से विद्यार्थी अवगत हो पाएंगे। • इतिहास दृष्टि और लोकजीवन तथा प्रकृति से कविता के सरोकार को रेखांकित कर सकेंगे। • समकालीन कविता के युगबोध को वस्तुगत सामाजिक, आर्थिक परिप्रेक्ष्य सहित समझ सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• आधुनिक कविता की समाजशास्त्रीय समझ विकसित हो पाएगी। • भावबोध और काव्य-भाषा में बदलाव के संदर्भों को समझने का कौशल विकसित होगा।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **नागार्जुन :** प्रतिबद्ध हूँ, तीनों बंदर बापू के
- **सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय :** कलगी बाजरे की, सोन मछली

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **मुक्तिबोध :** मुझे कदम-कदम पर, पूंजीवादी समाज के प्रति
- **शमशेर बहादुर सिंह :** धार्मिक दंगों की राजनीति, बात बोलेगी

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना :** तुम्हारे साथ रहकर, देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता
- **धूमिल :** देश प्रेम : मेरे लिए, सापेक्ष्य-संवेदन

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **राजेश जोशी :** बच्चे काम पर जा रहे हैं, इत्यादि
- **द्रुतपाठ :** केदारनाथ सिंह, कात्यायनी, अनामिका, अशोक चक्रधर

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. समकालीन हिन्दी कविता, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
2. नया साहित्य: नया साहित्यशास्त्र, राधावल्लभ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य की समकालीनता, संपादक: अच्युतानंद मिश्र, अनन्य प्रकाशन, नई दिल्ली

4. कविता की जमीन और जमीन की कविता, नामवर सिंह, (सं)आशीष त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी साहित्य, विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. मेरे समय के शब्द, केदारनाथ सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. नई कविता और अस्तित्ववाद, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. निराला और मुक्तिबोध, नंदकिशोर नवल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. नए साहित्य का सौंदर्य शास्त्र, गजानन माधव मुक्तिबोध, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
10. कविता के नए प्रतिमान, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. आधुनिक हिन्दी कविता, अरुण होता, ज्ञान भारती, नई दिल्ली
12. कविता का समकालीन प्रमेय, अरुण होता, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर
13. निराला से रघुवीर सहाय तक, श्री कृष्णनारायण कक्कड़, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
14. समकालीन हिन्दी कविता ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य (1980 -2020), ओम निश्चल, विजया बुक्स,
15. समकालीन हिन्दी कविता, ए. अरविंदाक्षन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. दस विशिष्ट कवि, विष्णु चंद्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. समकालीन कविता का बीजगणित, कुमार कृष्ण, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
18. समकालीन काव्य यात्रा, नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
19. समकालीन कविता और सौंदर्य बोध, रोहिताश्व, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
20. विचारधारा नए विमर्श और समकालीन कविता, जितेंद्र श्रीवास्तव, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
21. कविता का घनत्व, जितेंद्र श्रीवास्तव, सेतु प्रकाशन, नई दिल्ली
22. नागार्जुन की कविता, अजय तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
23. मुक्तिबोध की कविताई, अशोक चक्रधर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
24. अज्ञेय की काव्य दृष्टि, परितोष कुमार मणि, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली
25. अज्ञेय का कवि कर्म, रमेश चंद्र शाह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
26. कवियों का कवि शमशेर, रंजना अरगड़े, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
27. शमशेर का अर्थ, ज्योतिष जोशी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
28. कविता के तीन दरवाजे अज्ञेय, शमशेर, मुक्तिबोध, अशोक वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
29. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का रचनाकर्म, कृष्णदत्त पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
30. समकालीन बोध और धूमिल का काव्य, डॉ हुकुमचंद राजपाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
31. धूमिल की कविता में विरोध और संघर्ष, नीलम सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR – 6

हिन्दी कहानी
HINDI KAHANI

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ306	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को हिन्दी कहानी विधा एवं प्रमुख कहानीकारों से अवगत कराना।
- हिन्दी कहानी आंदोलनों के विकास एवं युगीन प्रभाव का अध्ययन कराना।
- कहानी विधा के प्रति रुचि विकसित करना।
- हिन्दी कहानी का तात्त्विक अध्ययन कराना।
- पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों की प्रासंगिकता पर विचार करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी हिन्दी कहानी का वस्तुगत ज्ञान अर्जित करेंगे। • विद्यार्थियों में कहानी को समझने की क्षमता विकसित होगी। • कहानी की प्रासंगिकता पर विचार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी कहानी विधा के शिल्प पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर कथा-सृजन की ओर प्रवृत्त होंगे। • विद्यार्थियों में भाषागत दक्षता का विकास होगा।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कहानी** : विधागत परिचय
- **कहानी का उद्भव और विकास** : स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर
- **विविध कहानी आंदोलन** : नई कहानी, साठोत्तरी कहानी, समकालीन कहानी

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **चंद्रधर शर्मा गुलेरी** : उसने कहा था
- **प्रेमचंद** : शतरंज के खिलाड़ी
- **जैनेंद्र** : पाजेब

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **फणीश्वर नाथ 'रेणु'** : ठेस
- **निर्मल वर्मा** : एक दिन का मेहमान
- **मृदुला गर्ग** : किस्सा आज का

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **शिवमूर्ति** : बनाना रिपब्लिक
- **अखिलेश** : अंधेरा
- **द्रुतपाठ** : मन्नू भंडारी, कमलेश्वर, एस. आर. हरनोट, अलका सरावगी

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कहानी नई कहानी, नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. कहानी आंदोलन की भूमिका, बलिराम पांडे, आत्माराम प्रकाशन, इलाहाबाद
3. आज की हिन्दी कहानियाँ, नित्य नंद सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, संपादक देवी शंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. नई कहानी की भूमिका, रमेशचंद्र, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. कहानी स्वरूप और संरचना, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. हिन्दी कहानी: विकास और रूप, सुरेंद्र चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. आधुनिक हिन्दी कहानी, डॉक्टर धर्मवीर नारायण लाल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

9. कहानी: अनुभव एवं अभिव्यक्ति, राजेंद्र यादव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

10. नई कहानी का स्वरूप विवेचन, डॉक्टर चंद्र रत्न, समन्वय प्रकाशन, दिल्ली

11. समकालीन हिन्दी कहानी, डॉक्टर पुष्पपाल सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़

12. समकालीन हिन्दी कहानी और समाजवादी चेतना, डॉक्टर किरण यात्री, अनुप्रभ प्रकाशन, कानपुर

13. दलितोत्तर हिन्दी कहानी, डॉक्टर रमेश कुमार गुप्त, हिन्दी साहित्य परिषद्, अहमदाबाद

14. समकालीन कहानी: दिशा एवं दृष्टि, डॉक्टर हृदयनाथ, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

15. हिन्दी कहानी अपनी जमीन, हृदयनाथ मधुकर, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

16. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा, आनंद प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन

17. समकालीन हिन्दी कथा विमर्श, गंगा प्रसाद विमल, पुष्पा प्रकाशन, दिल्ली

18. समकालीन कहानी: नया परिप्रेक्ष्य, पुष्पपाल सिंह, साहित्य बुक्स, दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MINOR - 3

कथेतर साहित्य

KATHETAR SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMIN303	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- अभिव्यक्ति की सर्वाधिक विधाओं से अवगत कराना।
- विद्यागत पार्थक्य एवं अंत:संबंधों में अभिव्यक्ति के प्रभावशाली स्वरूप का बोध कराना।
- बहुआयामी सृजनात्मक बोध विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• कथेतर विधाओं की अंतर्वस्तु के स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे। • कथेतर विधाओं का तात्त्विक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी निजी लेखकीय व्यक्तित्व को बहुआयामी बना पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• अध्यापन कार्य में प्रभावी अध्यापकीय व्यक्तित्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कथेतर साहित्य** : सामान्य परिचय एवं महत्त्व
- **विविध विधाएं :** परिभाषा, अत:संबंध एवं अंतर (मुख्य विधाएं : निबंध, व्यंग्य, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध** : नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- **व्यंग्य** : विकलांग श्रद्धा का दौरा : हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **संस्मरण** : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर
- **रेखाचित्र** : प्रथम भेंट : अंतिम भेंट : महादेवी वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **यात्रा-वृत्तांत** : सागर कन्या : खग शावक : अज्ञेय
- **आत्मकथा** : रे मन जाह, जहां तोहि भावे (कस्तूरी कुंडली बसै - पहला अध्याय) : मैत्रेयी पुष्पा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार, डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग, सं. दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का कथेतर गद्य-सर्जना, डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
8. कथेतर, सं. माधव हाड़ा, साहित्य अकादेमी प्रकाशन

SYLLABUS FOR HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

AEC

MIL (HINDI)

हिन्दी : सृजन एवं संप्रेषण

HINDI: SRIJAN EWAM SAMPRESHAN

Course Type	Course Code	Total Class hours	Total Credits	Components
				Lecture
AEC(Theory)	HINDAEC001	60	4	4

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को अपनी पाठ्य सामग्री की डिजिटल प्रस्तुति में सक्षम बनाना।
- विद्यार्थियों को मीडिया जगत में रोजगार के लिए सक्षम बनाना।
- विशेषकर भाषा साहित्य के विद्यार्थियों को साहित्य में निहित मूल्यों के तहत मीडिया के प्रति उनकी जवाबदेही को गंभीर बनाना।
- न्यू-मीडिया में रोजगार के अवसरों से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes) :

ज्ञान संबंधी	• डिजिटल दौर में विद्यार्थी अपनी पाठ्य सामग्री को सार्थक एवं आकर्षक ढंग से तैयार कर सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य से अर्जित मानव मूल्यों को डिजिटल प्लेटफार्म पर साकार कर पाएंगे। • मोबाइल के माध्यम से अपने सृजनात्मक कौशल को विकसित कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• बहुआयामी मीडिया में रोजगार के अवसर लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

साहित्य

पद्य

- **कबीरदास** :
  कबीरा खड़ा बाजार में...
  पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ
- **रामधारी सिंह 'दिनकर'** : अवकाश वाली सभ्यता
- **दुष्यंत कुमार** : कहाँ तो तय था चरागाँ हर एक घर के लिये

गद्य

- **प्रेमचंद** : आहुति (कहानी)
- **हरिशंकर परसाई** : इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर (व्यंग्य)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- साक्षात्कार एवं संप्रेषण : अवधारणा प्रकार एवं प्रक्रिया।
- संप्रेषण : अवधारणा प्रकार एवं प्रक्रिया।
- पुस्तक समीक्षा, फिल्म समीक्षा, विज्ञापन समीक्षा लेखन।

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति (अनुच्छेद 343 से 351)
- हिन्दी भाषा के विविध रूप – बोलचाल की भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा एवं राजभाषा का सामान्य परिचय।

इकाई- 4 **(15 घंटे)**

- पत्र-लेखन : औपचारिक पत्र एवं अनौपचारिक पत्र
- भाव पल्लवन, संक्षेपण, अनुच्छेद एवं निबंध लेखन

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ –

1. कबीर पुनर्पाठ/ पुनर्मूल्यांकन, परमानन्द श्रीवास्तव, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद
2. पूरा कबीर, (सं.) बलदेव वंशी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनंदन प्रसाद, भारती भवन प. डिस्ट्रीब्यूटर, पटना
4. हिन्दी व्याकरण, कामताप्रसाद गुरु, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. हिन्दी : शब्द, अर्थ, प्रयोग, हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली
6. कबीर ग्रंथावली, (सं) डॉ. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
7. राजभाषा हिन्दी, डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
8. अपराजेय आस्था के कवि दुष्यंत कुमार, कृष्ण कमलेश, भारतदेशम् प्रकाशन, दिल्ली
9. साये में धूप, दुष्यंत कुमार, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. दुष्यंत कुमार की ग़ज़लों का रचना विधान, मिथिलेश वामनकर, शिवना प्रकाशन, भोपाल
11. दिनकर के काव्य में प्रगतिशील चेतना, देवजानी सेन, सार्थक पब्लिकेशन, कोलकाता
12. प्रेमचंद की कहानियों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण, अनीता रानी, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली
13. प्रेमचंद, (सं) सत्येंद्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
14. व्यंग्य का सौंदर्यशास्त्र, मलय, शब्दसृष्टि प्रकाशन, दिल्ली
15. संप्रेषण : चिंतन और दक्षता, डॉ. मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

SEC–3

शैक्षिक तकनीकी

Saikshik Takniki

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
SEC (Theory)	POOCSEC330	45	3	2	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- दैनिक जीवन एवं रोजगारपरक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- शुद्ध, सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति-कौशल से अवगत कराना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी दैनिक, अकादमिक एवं रोजगार की दिशा में अपनी अभिव्यक्ति को संतुलित कर पाएंगे। • आगामी सत्र में मीडिया सामग्री निर्माण के लिए भाषाई सामर्थ्य विकसित कर पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे। • अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर-पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
रोजगार संबंधी	• रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ मीडिया जगत में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(13 घंटे)**

- **शैक्षिक तकनीकी** : अवधारणा, शिक्षण तकनीकी एवं शैक्षिक तकनीकी में अंत:संबंध एवं अंतर, क्षेत्र, उपयोगिता
- शैक्षिक तकनीकी के घटक : हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रणाली विश्लेषण

इकाई – 2 **(13 घंटे)**

- **शैक्षिक तकनीकी** : विधियां एवं युक्तियां
    - विधियां : पाठ्य पुस्तक, व्याख्यान, प्रयोगशाला, विचार-विमर्श, आगमन-निगमन, तुलनात्मक, स्रोत विधि
    - युक्तियां : प्रश्न प्रविधि, अभ्यास, कहानी कथन, कार्य निर्धारण, सेमिनार, समूह चर्चा, कार्यशाला

इकाई – 3 **(13 घंटे)**

- **भाषा-साहित्य शिक्षण**
    - व्याकरण दिशा का अनुप्रयोग (कंप्यूटर), विविध फॉण्ट , हिन्दी भाषा और ई-शिक्षण के पुस्तकालय
- साहित्य की विधाएं : कविता कहानी उपन्यास एवं निबंध पठन-पाठन एवं मूल्यांकन तकनीकी

इकाई–4

- फील्ड वर्क /परियोजना
- कार्य निर्धारण परियोजना/फील्ड वर्क

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

	सत्रांत परीक्षा (प्रैक्टिकल)			**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिक) निर्धारित समय : 2 घंटे**
घटक	परियोजना कार्य	परियोजना की प्रस्तुति	प्रायोगिक परीक्षा	
निर्धारित अंक	05	05	10	
पूर्णांक (60)	**20**			**40**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, डॉ. एसपी कुलश्रेष्ठ, श्री विनोद पुस्तक मंदिर
2. शिक्षा के तकनीकी परिप्रेक्ष्य, शालिनी भारती,जेटीएस पब्लिकेशन, दिल्ली
3. भाषा और साहित्य शिक्षण, डॉ. घनश्याम भारती, जेटीएस पब्लिकेशन, दिल्ली
4. शिक्षा के तकनीकी परिप्रेक्ष्य, सुनीता शर्मा, बुक ओसेन पब्लिकेशन
5. शैक्षिक तकनीकी एवं आईसीटी, कुमाऊं यूनिवर्सिटी
6. शिक्षा के तकनीकी परिप्रेक्ष्य, स्मिता श्रीवास्तव, जेसी अग्रवाल अग्रवाल पब्लिकेशन
7. शैक्षिक तकनीकी एवं सूचना संप्रेषण तकनीकी, डॉ. राजीव मालवीय, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद
8. भाषा शिक्षण भाग-2, एनसीईआरटी
9. शैक्षिक तकनीकी, विजेंद्र कुमार वशिष्ठ, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस
10. कंप्यूटर क्या है, गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन
11. प्रारंभिक कंप्यूटर शिक्षा, रामबंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन
12. कंप्यूटर का सहजबोध, इकबाल मुजफ्फर अली, सुरेश सलिल, वाणी प्रकाशन
13. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन
14. कंप्यूटर : क्या, क्यों और कैसे, रामबंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDISCIPLINARY COURSE

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

तृतीय सत्र
SEMESTER-III
DSC - 3
कथेतर साहित्य
KATHETAR SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
DSC(Theory)	HINDDSC303	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- अभिव्यक्ति की सर्वाधिक विधाओं से अवगत कराना।
- विद्यागत पार्थक्य एवं अंत:संबंधों में अभिव्यक्ति के प्रभावशाली स्वरूप का बोध कराना।
- बहुआयामी सृजनात्मक बोध विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• कथेतर विधाओं की अंतर्वस्तु के स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे। • कथेतर विधाओं का तात्त्विक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी निजी लेखकीय व्यक्तित्व को बहुआयामी बना पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• अध्यापन कार्य में प्रभावी अध्यापकीय व्यक्तित्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कथेतर साहित्य** : सामान्य परिचय एवं महत्त्व
- **विविध विधाएं :** परिभाषा, अतःसंबंध एवं अंतर (मुख्य विधाएं : निबंध, व्यंग्य, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध** : नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- **व्यंग्य** : विकलांग श्रद्धा का दौरा : हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **संस्मरण** : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर
- **रेखाचित्र** : प्रथम भेंट : अंतिम भेंट : महादेवी वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **यात्रा-वृत्तांत** : सागर कन्या : खग शावक - अज्ञेय
- **आत्मकथा** : रे मन जाह, जहां तोहि भावे (कस्तूरी कुंडली बसै - पहला अध्याय) : मैत्रेयी पुष्पा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार, डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग, सं. दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का कथेतर गद्य-सर्जना, डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
8. कथेतर, सं. माधव हाड़ा, साहित्य अकादेमी प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MINOR - 3

कथेतर साहित्य

KATHETAR SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMIN303	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- अभिव्यक्ति की सर्वाधिक विधाओं से अवगत कराना।
- विद्यागत पार्थक्य एवं अंत:संबंधों में अभिव्यक्ति के प्रभावशाली स्वरूप का बोध कराना।
- बहुआयामी सृजनात्मक बोध विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• कथेतर विधाओं की अंतर्वस्तु के स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे। • कथेतर विधाओं का तात्त्विक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी निजी लेखकीय व्यक्तित्व को बहुआयामी बना पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• अध्यापन कार्य में प्रभावी अध्यापकीय व्यक्तित्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कथेतर साहित्य** : सामान्य परिचय एवं महत्त्व
- **विविध विधाएं :** परिभाषा, अतःसंबंध एवं अंतर (मुख्य विधाएं : निबंध, व्यंग्य, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध** : नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- **व्यंग्य** : विकलांग श्रद्धा का दौरा : हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **संस्मरण** : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर
- **रेखाचित्र** : प्रथम भेंट : अंतिम भेंट : महादेवी वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **यात्रा-वृत्तांत** : सागर कन्या : खग शावक - अज्ञेय
- **आत्मकथा** : रे मन जाह, जहां तोहि भावे (कस्तूरी कुंडली बसै - पहला अध्याय) : मैत्रेयी पुष्पा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट/ समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार, डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग, सं. दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का कथेतर गद्य-सर्जना, डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
8. कथेतर, सं. माधव हाड़ा, साहित्य अकादेमी प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

SEC–3

शैक्षिक तकनीकी

Saikshik Takniki

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
SEC (Theory)	POOCSEC330	45	3	2	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- दैनिक जीवन एवं रोजगारपरक उद्देश्य की दिशा में विद्यार्थियों को सक्षम बनाना।
- शुद्ध, सार्थक एवं प्रभावी बहुआयामी अभिव्यक्ति-कौशल से अवगत कराना।
- भाषा कौशल के विविध आयामों से अवगत कराना।
- मीडिया की भाषिक प्रकृति से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी दैनिक, अकादमिक एवं रोजगार की दिशा में अपनी अभिव्यक्ति को संतुलित कर पाएंगे। • आगामी सत्र में मीडिया सामग्री निर्माण के लिए भाषाई सामर्थ्य विकसित कर पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• वर्तमान मीडिया युग के अनुकूल अपने भाषा कौशल की पहचान कर सकेंगे। • अकादमिक सामग्री के पठन एवं उत्तर-पुस्तिका लेखन की क्षमता विकसित होगी।
रोजगार संबंधी	• रोजगार की अपार संभावनाओं के साथ मीडिया जगत में अपनी प्रतिभा को सार्थक कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(13 घंटे)**

- **शैक्षिक तकनीकी** : अवधारणा, शिक्षण तकनीकी एवं शैक्षिक तकनीकी में अंत:संबंध एवं अंतर, क्षेत्र, उपयोगिता
- शैक्षिक तकनीकी के घटक : हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रणाली विश्लेषण

इकाई – 2 **(13 घंटे)**

- **शैक्षिक तकनीकी** : विधियां एवं युक्तियां
- विधियां : पाठ्य पुस्तक, व्याख्यान, प्रयोगशाला, विचार-विमर्श, आगमन-निगमन, तुलनात्मक, स्रोत विधि
- युक्तियां : प्रश्न प्रविधि, अभ्यास, कहानी कथन, कार्य निर्धारण, सेमिनार, समूह चर्चा, कार्यशाला

इकाई – 3 **(13 घंटे)**

- **भाषा-साहित्य शिक्षण**
    - व्याकरण दिशा का अनुप्रयोग (कंप्यूटर), विविध फॉण्ट, हिन्दी भाषा और ई-शिक्षण के पुस्तकालय
- साहित्य की विधाएं : कविता कहानी उपन्यास एवं निबंध पठन-पाठन एवं मूल्यांकन तकनीकी

इकाई–4

- फील्ड वर्क /परियोजना
- कार्य निर्धारण परियोजना/फील्ड वर्क

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

	सत्रांत परीक्षा (प्रैक्टिकल)			**सत्रांत परीक्षा (सैद्धांतिक) निर्धारित समय : 2 घंटे**
घटक	**परियोजना कार्य**	**परियोजना की प्रस्तुति**	**प्रायोगिक परीक्षा**	
निर्धारित अंक	05	05	10	
पूर्णांक (60)	**20**			**40**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार, डॉ. एसपी कुलश्रेष्ठ, श्री विनोद पुस्तक मंदिर

2. शिक्षा के तकनीकी परिप्रेक्ष्य, शालिनी भारती, जेटीएस पब्लिकेशन, दिल्ली

3. भाषा और साहित्य शिक्षण, डॉ. घनश्याम भारती, जेटीएस पब्लिकेशन, दिल्ली

4. शिक्षा के तकनीकी परिप्रेक्ष्य, सुनीता शर्मा, बुक ओसेन पब्लिकेशन

5. शैक्षिक तकनीकी एवं आईसीटी, कुमाऊं यूनिवर्सिटी

6. शिक्षा के तकनीकी परिप्रेक्ष्य, स्मिता श्रीवास्तव, जेसी अग्रवाल अग्रवाल पब्लिकेशन

7. शैक्षिक तकनीकी एवं सूचना संप्रेषण तकनीकी, डॉ. राजीव मालवीय, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद

8. भाषा शिक्षण भाग-2, एनसीईआरटी

9. शैक्षिक तकनीकी, विजेंद्र कुमार वशिष्ठ, अर्जुन पब्लिशिंग हाउस

10. कंप्यूटर क्या है, गुणाकर मुले, राजकमल प्रकाशन

11. प्रारंभिक कंप्यूटर शिक्षा, रामबंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन

12. कंप्यूटर का सहजबोध, इकबाल मुजफ्फर अली, सुरेश सलिल, वाणी प्रकाशन

13. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, विजय कुमार मल्होत्रा, वाणी प्रकाशन

14. कंप्यूटर : क्या, क्यों और कैसे, रामबंसल विज्ञाचार्य, वाणी प्रकाशन

SINGLE MAJOR & SINGLE MINOR

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

चतुर्थ सत्र

SEMESTER-IV

MAJOR-7

हिन्दी उपन्यास

HINDI UPANYAS

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMAJ407	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी उपन्यास के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित करना है ।
- उपन्यास के माध्यम से भाषा की विविधता, शैली, शब्दावली और व्याकरण की समझ को बढ़ाना।
- उपन्यासों के माध्यम से भारतीय समाज, परंपरा, संस्कृति, सामाजिक समस्याओं को समझना।
- उपन्यासों के कथानक, पात्र और भाषा की समीक्षा तथा विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• हिन्दी उपन्यास की अवधारणा समझ पाएंगे। • उपन्यास की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे। • आगामी सत्र के व्यावहारिक पृष्ठभूमि की समझ बनेगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• उपन्यास के बहुआयामी स्तर से विद्यार्थी अवगत होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- उपन्यास : विधागत परिचय
- हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **रंगभूमि :** प्रेमचंद

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **चित्रलेखा** : भगवतीचरण वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **दौड़** : ममता कालिया

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास की परंपरा और प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह
4. हिन्दी उपन्यास : स्वरूप और मूल्यांकन, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी उपन्यास : आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र
6. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. उत्तरशती के उपन्यासों में स्त्री, डॉ. शशिकला त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. उपन्यास और लोक-जीवन, रैल्फ फॉक्स, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. चित्रलेखा : एक आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव
10. प्रेमचंद और उसकी रंगभूमि, सुरेशचन्द्र त्रिपाठी

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR- 8

प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद
PRAYOJANMOOLAK HINDI AUR ANUVAAD

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMAJ408	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयामों से परिचित कराना।
- हिन्दी भाषा के व्यावहारिक एवं कार्यात्मक उपयोगिता से विद्यार्थियों को अवगत कराना ।
- अनुवाद के विभिन्न रूपों और उनकी प्रक्रियाओं से परिचित कराना।
- अनुवाद की मूलभूत तकनीक एवं सैद्धांतिकी का विद्यार्थियों को ज्ञान देना।
- बहुभाषी समाज में अनुवाद की महत्ता का बोध कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विद्यार्थी व्यवसाय, प्रशासनिक कार्यों, अनुवाद आदि क्षेत्रों में हिन्दी भाषा के समुचित प्रयोग की दक्षता हासिल करेंगे। • विद्यार्थी साहित्यिक एवं साहित्येतर अनुवाद कार्य का सामर्थ्य अर्जित करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी अनुवाद के क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करेंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करने के साथ अनुवाद के क्षेत्र में भी करियर बना पाएंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(17 घंटे)**

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषा, स्वरूप, उपयोगिता एवं क्षेत्र।
- राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति : अनुच्छेद 343 से 351 तक
- राजभाषा अधिनियम : 1963, 1967, 1976, राजभाषा संकल्प : 1968

इकाई – 2 **(16 घंटे)**

- प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रकार : कार्यालयी हिन्दी, वैज्ञानिक एवं तकनीकी हिन्दी, व्यावसायिक हिन्दी
- प्रशासकीय पत्राचार के विविध रूप- सामान्य कार्यालयी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, परिपत्र, टिप्पणी, अनुस्मारक पत्र, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति

इकाई – 3 **(12 घंटे)**

- अनुवाद : अर्थ, स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं उपयोगिता
- अनुवाद के सिद्धांत : संकेतार्थ का सिद्धांत एवं समतुल्यता का सिद्धांत

इकाई– 4 **(15 घंटे)**

- अनुवाद के प्रकार : साहित्यिक (काव्यानुवाद, कथानुवाद) एवं साहित्येतर (वाणिज्यिक, कार्यालयी, वैज्ञानिक अनुवाद), छायानुवाद, भावानुवाद, सारानुवाद, शब्दानुवाद
- हिन्दी से अंग्रेजी एवं अंग्रेजी से हिन्दी अनुवाद

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी, विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य, रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

4. प्रयोजनमूलक हिन्दी, डॉ. पी. लता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. राजभाषा हिन्दी, डॉ. भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली
6. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत एवं प्रविधि , भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी, बी. डी. शर्मा, ओमेगा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
8. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, डॉ. सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रयोग, प्रो.राजमणि शर्मा, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
10. अनुवाद कला सिद्धांत और प्रयोग, डॉ. कैलाश चन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MINOR-4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	HINDMIN304	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास-दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे। • साहित्य की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **आदिकाल** : समय सीमा, नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **भक्तिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **रीतिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **आधुनिककाल** : भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां
- हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	20		60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

9. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल: रीतिकाल, , डॉ. महेंद्र कुमार, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली

10. स्त्री की नजर में रीतिकाल, मुकेश गर्ग,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

11. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग

THREE DISCIPLINE SPECIFIC MULTIDICILINARY COURSE

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

चतुर्थ सत्र

SEMESTER-IV

DSC-4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
DSC(Theory)	HINDDSC404	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास-दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे। • साहित्य की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• **साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।**
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **आदिकाल** : समय सीमा, नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **भक्तिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **रीतिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **आधुनिककाल** : भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां
- हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

-

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
4. . हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

7. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल: रीतिकाल, , डॉ. महेंद्र कुमार, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
10. स्त्री की नजर में रीतिकाल, मुकेश गर्ग,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

चतुर्थ सत्र

SEMESTER-IV

MINOR-4

हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MIN(Theory)	HINDMIN404	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास-दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे। • साहित्य की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• **साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।**
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **आदिकाल** : समय सीमा, नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **भक्तिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **रीतिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **आधुनिककाल** : भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां
- हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

ट्यूटोरियल			सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय : 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**असाइनमेंट / समूह चर्चा/ क्लास टेस्ट**	
निर्धारित अंक	10	10	
पूर्णांक (80)	**20**		**60**

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन
4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

7. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल: रीतिकाल, , डॉ. महेंद्र कुमार, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
10. स्त्री की नजर में रीतिकाल, मुकेश गर्ग,वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, डॉ. रामकुमार वर्मा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग